05/04/2015; Issue 040; ` 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in

पंगवाड़ी भाषा विकास वेबसाईट
पंगवाड़ी, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा अन्तर असी।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेह्णु, जनजाति, त संस्कृति गल्लि कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

♦अस सोभि पांगि मेह्णु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्नदे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418411599

अलग-अलग असे, पर खरे असे!

कथा: मुकेश अपु कम केआं थकी कइ गी ओ थिआ। रीता बी अपु कम केआं ओ थी। रीता बी थको असी, पर तसे मुंह नेइ थको। रीता अपु धणि जोइ कमे बारे, अपु राणे-रणी बारे, त ओत-कोती बइ सोभि के बारे बोक करण शुरु कइ छेई। से बोक कती रेही, बोक कती रेही, बोक कती रेही... 10 मन्टे बाद मुकेश यक जबाव दिता त चुप भोइ गा। रीता अपु हथ-खुर हिलाइ-हिलाइ कइ त कपले लेहरि कइ त कपले हंसी-हंसी कइ लगातार बोक कती रेही। दुवारी 5-6 मन्टे बाद मुकेश फिर यक जबाव दिता त चुप भोइ गा। पता रीता मुकेश जे लहेरी कइ ग्या देण लगी। 'अउं अत बोक करण लगो असी, त तु किस घोड़ बण कइ बिशो असा? तु बोक किस ना कता?'

इ ड्रामे तुसी अपु गी या होरी गी काओ असे ना? अ आम भो ना? यक खोज अन्तर पता लग गो असा कि, जिल्हाणु यक रोज 25000 केंआ जादा शब्द बोती। पर मइद 10,000 केंआ घट शब्द बोते। मइद ईं सोचुण बी मुश्किल असु कि में जुएली अति बोक कीं कति रेहंती। पर होर कना, मइद अगर किछ कम भोल त तउं बोक कता। जिल्हाणु के ईं बोकि ना बिश्ते। मइद किछ कमे बारे, किछ समस्या बारे, किछ खास दिलचस्पी राजनीति, क्रिकिटे, खबरे बारे..... बोक कते। किछ खोज बतांते, मइदे दिमाक जिल्हाणु दिमाक केंआ अलग चलता। जिल्हाणु दिमाक अन्तर उमल त सुमल कना जे सुआ जोड़ असे, पर मइदे यके कना जे सुआ जोड़ असे। ईश्वरे मइद त जिल्हाणु यक समान बणाए पर अलग-अलग। अस ईं ना समझते त छोटी बोड़ी लड़ाई-झगड़े भुन्ते रेहंते। जिल्हाणो, तुसी अन्तर सुआ बोक करणे ताकत असी, अ ताकत खारे कम जे लाण त होरी के बुराई करण जे ना लाण। 'अकलदार जिल्हाणु अपु घर बड़ाती, पर बेअकली जिल्हाणु अपणे हते बइ अपु गी ढाई छती'।

आलू परॉठा: रवि त सुनीता दुहे के नउआ-नउआ ब्याह भो थिआ। दुइ हफ्ते बाद सोब रिश्तेदार घेइ गे। रवि त सुनीता बी नौखरी करण जे अपु क्वाटर घेइ गे। यक रोज सुनीता नुहारी जे आलूण परॉठा बणा। रवि अपु जुएली धे हेरी बिशा त में जुएली की अब्बुल असी, तरीफ करण लगो थिआ। दुहे जेइ साते बिश कइ नुहारी करण लग गे। त रवि ईहाणि अपु जुएली जे बोलु, 'तेइ नुहारी त अब्बुल बणाई पर में ईये हते आलूण परॉठी जादा स्वाद भुन्ता। में ई किछ बी रोठि बणाल से अब्बुल भुन्ती'। इ बोल कइ झठ अपु ऑफीस जे घेइ गा। नुहारी बारे तेन अपु जुएली जे की बोलु, ऑफीस घेण केंआ पहले ईं से सोब बिश्री गो थिआ।

ऑफीस घेइ कइ तसे पूरा ध्यान अपु कम पुठ लग गा। मीटींग अन्तर सुआ योजना बणाई, अपु कम्पनी सुआ अधूरे कम पूरे किए। मनेजरे रवि कमे सुआ तरीफ की। होर कना, गी तसे जुएली साफ-सफाई की त अपु स्कूल जे तियार भोइ गई। (से यक स्कूल मास्टराणी लगो थी)। पर से घड़ी-घड़ी अपु धणि बोकी बारे सोचण लगो थी, 'में आलूण परॉठा असे ईया केंआ अब्बुल नेइ'। स्कूल घेइ कइ अपु सुआ सहेली जोइ मिई, हसी-हसी बोक की, अपु ब्याहे फोटो हरली, क्लास घेइ कइ गभुरु सुसर पढ़ा, अपु सहेली जोइ प्रिंसिपले बारे, होर अपु ब्याहे बारे सुआ बोक की। पर फिर बी से घड़ी-घड़ी अपु धणि बोकी बारे सोचती रेही, 'में आलूण परॉठा अस अब्बुल ना लगा'। से सोचण लगो थी कि अउं असे ईये ईं कदि रोठि ना बढ़ाई बठती। में रोठि में धणि पसंद ना ऐइएल तउं से रोज बहरीया रोठि खाइ ऐन्ता; ऑफीस अन्तर कोउं जिल्हाणु अब्बुल रोठि बणाई कइ आण्ती त तन्के गी घेण शुरु भोइ घेन्तू। सुनीता मन अन्तर इ भोइ गो कि, 'अउं यक अब्बुल जुएली ना बण सकती'। ब्यादी स्कूला गी आई त रोठि बणा लगी, अपु ईया-बोउ, सहेली जे फोन किया। पर तेस टेम बी से अपु धणि बोकी बारे सोचण लगो थी, 'में आलूण परॉठा असे ईया केंआ अब्बुल नेई'। रवि बी अपु

अलग-अलग असे, पर खरे असे

कम खत्म कियू त खुशी-खुशी जोइ अपु नउइ जुएली पसंदे जलेबी त बंगे खरीद कइ गी ऐई गा। दुवा पुटा अन्तर जे ऐण पेंत अपु जुएली जे बोलु, 'अउं ऐई गा'। हथ-मुह धोइ कइ अपु जुएली कलाइ की। सुनीता तसे हथ केंआ छुढ़क कइ अपु कम करण लग गई। रवि पुछू, 'की भू? प्रिंसिपल किछ बोलु ना? होर केनी कि बोलु ना?' सुनीता लहेरी कइ बोलु, 'में आलूण परॉठा तें ईया केंआ अब्बुल नेइ'। रवि हैरान भोइ गा, से कि बोलुण लगो असी तेस पता नेई लगो। हैरान भोइ कइ तेन अपु जुएली केंआ पुछू, 'कीं.....आलूण परॉठा?'

तुस खुद सोचे, इढ़िया पता तन्के बुच कि भोइ सकतू। इ कथा समझांती कि मड़दे त जिल्हाणु सोच की अलग-अलग असी।

Cont…….

चलाक गौड़ा

यक बोडा जंगल थिआ। तेस जंगल अन्तर सुआ जंगली जनवार थिए। तन्हि अन्तर यक गौड़ा बी थिआ, तेस नउ भोली थियू। तेस जंगल अन्तर यक बबर शेर बी थिआ। यक रोज शेर शिकारी पिंजरे अन्तर फंसो थिआ। भोली गौड़ा घास चरती-चरती पिंजरे भेड़ पुज गई। बबर शेरे भोली काइ छड़ी त तेस जे हक देण लगा। बबर शेरे भोली जे बोलु, 'भेणिये! तु मोउं पिंजरे केआं बहरी किढ़। भोली बोलु, 'मोउं नउ भोली जरुर असु, पर अउं अति बी भोली नेइ। अउं तें पिंजरा खोलु त तु मोउंऐ खाइ छता। ना...ना...अउं शाकाहारी भोजन कता'। अउं तउ ना खांता। तें छने में पिंजरा खोलीं दें। इ शुण कइ भोली बबर शेरे पिंजरा खोल छड़ा। पिंजरा खोलते त बबर शेर भोली टइ छड़ी। भोली बोलुण लगी, 'कि तेइ त अभेई बोलो थियू कि तु शाकाहारी असा'। शेरे बोलु, 'अ से त असा। मेइं शुणु कि अस जे खांते, तसे बेलि हें शरीर बणता। तु घास-घुस खांती। त तें शरीर बी घासेरी बणो असा। घास त शाकाहारी असु। तउं त अउं तउ खांता'। बोते-बोते शेरे मुंहे बइ पुओणी ऐइ गऊ। भोली बबर शेरे चलाकी समझ गई। भोली बोलुण लगी, 'अगर तु मोउं खांता, शेर भाई, त तु बी गौड़ा बण घेन्ता, किस कि अस जे बी खांते, तसेरी बेलि हें शरीर बणता। अब तु सोचीं दे। गौड़ा बण गा त दुध बी देण ऐन्तू। 'बबर शेरे बोलु, 'ना...ना। अउं शेरे ठीक असा। पिंजरा खोलणे धन्यवाद'। इ बोलु कइ शेर तठिया नश गा। शेर नशता हेर कइ भोली जोरी-जोरी हंसण लगी।.

कुछ खास खबर

- मौसम खराव भुणे बझाई जोइ हें पांगेई लाण-बाण बी सुसर शुरु नेई भो। जिमदार सोब परीशान भोइ गओ असे।
- जवाहर नवोदय स्कूले बाड़ी के पेपर 11 अप्रैल असे।

दुइ दोस्त बोक करण लगो असे.....

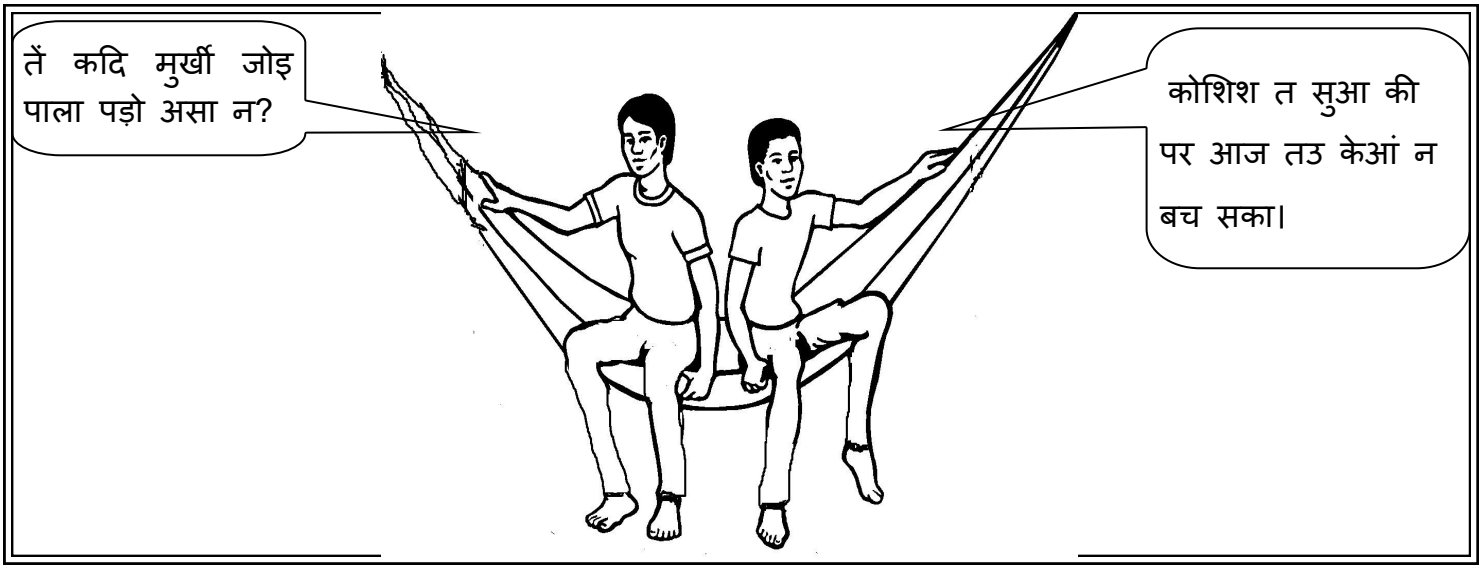

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

एड़स बीमारी इन्सान जोइ यक लिंगि सम्बन्ध बणाणे बोलि कसे बी एड़स एइ घेन्ता।... कॉंडोम सिर्फ 18% सुरक्षा कता।... एड़स मेहणु के जिसम अन्तर कम से कम 7 केआ 10 साल तकर कोइ लक्ष्ण नजर न ऐन्ते.....ऐणे बाडी तुबारि अन्तर।